सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 286 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 26 नवम्बर, 2026
मूल्य ₹ 3/-





एक अच्छा दिमाग और एक अच्छा दिल हमेशा से विजयी जोड़ी रहे हैं।
-नेल्सन मंडेला

आईसीसी रैंकिंग :पंत, गिल और यशस्वी... 7 | राजस्थान पंचायत चुनाव के बाद... 3 | अब तक दिल्ली से दूर क्यों बहुजन... 2

उत्तर प्रदेश में गठबंधनों का नया गणित

सहारनपुर से उठी मायावती कांग्रेस गठबंधन की आहट?

» 5 सीटों का एलान अखिलेश यादव ने जारी किया घोषणा पत्र

» हाथ का पंजा हाथी की तरफ देख रहा है!

» पांच उम्मीदवारों की घोषणा से सपा-कांग्रेस में बढ़ी तल्खी

» ओवैसी-आजाद ने खोला तीसरा मोर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की सियासत में इन दिनों जो पक रहा है उसकी खुशबू से ज्यादा उसकी आंच महसूस होने लगी है। सत्ता के गलियारों में गठबंधन की देग चढ़ी है सीटों की बघार पड़ रही है और हर राजनीतिक रसोइया अपनी-अपनी खिचड़ी में दूसरे का हिस्सा तलाश रहा है। बाहर से सब कुछ सामान्य दिखाई दे रहीं स्थितियां भीतर से किसी राजनीतिक हॉरर फिल्म से कम नहीं। फर्क बस इतना है कि यहां भूत बंगले में नहीं बल्कि गठबंधन की बैठकों में दिखाई देते हैं और आधी रात को दरवाजा खटखटाने वाली आवाज किसी आत्मा की नहीं सत्ता की चाबी तलाश रहे नेताओं की होती है।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की राजनीतिक गाड़ी अपनी ही रफ्तार से दौड़ रही है। किसी भी दबाव के इतर राजनीततक करने वाले अखिलेश यादव को जब लगा कि कांग्रेस दबाव बना कर ज्यादा सीटों पर हक जता रहीं है तो उन्होंने सबसे पहले उन विधानसभा सीटों से अपने उम्मीदवार खड़े कर दिये जहां से कांग्रेस दावेदारी मांग रही थी। उन्होंने बेहट और सहारनपुर जैसी सीटों पर उम्मीदवार घोषित करके कांग्रेस को यह संदेश दे ही दिया कि गठबंधन में सीटों का बंटवारा केवल दोस्ती और पुरानी यादों के भरोसे नहीं होगा। यहां बड़े भाई की भूमिका कौन निभाएगा यह भी सपा ही तय करेगी।

संबंधित खबरें अंदर के पेजों पर



लखनऊ में आधी रात का सियासी खेल!

बहन जी की एंट्री...

और अब कहानी का सबसे रहस्यमय अध्याय पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की तरफ से आ रहा है। राजनीतिक गलियारों से खबर आ रही है कि उन्होंने उत्तराखंड के बसपा प्रभारी को रात में लखनऊ बुलाया है। प्रभारी का सहारनपुर से संबंध इस घटनाक्रम को और दिलचस्प बना देता है। क्योंकि सहारनपुर ही इमरान मसूद की राजनीतिक जमीन है। इमरान मसूद कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और सपा के उम्मीदवारों की घोषणा के बाद उनकी नाराजगी भी सार्वजनिक हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि क्या कांग्रेस के पास कोई दूसरा रास्ता भी है? क्या अखिलेश पर दबाव बनाने के लिए बसपा के दरवाजे की ओर भी देखा जा रहा है?

उत्तर प्रदेश 2027

रायता फैलाने की कोशिशों में आजाद-औवेसी

ओवैसी और चंद्रशेखर आजाद ने भी अलग मोर्चा बनाकर विपक्षी राजनीति की दीवार में एक नई खिड़की खोलने की कोशिशों में लगे है और उनकी महारैली अपनी जमीन तलाशने का उदघाटन है। सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के नाम से मैदान में उतरे दोनों नेताओं ने 403 सीटों पर लड़ने का ऐलान किया है। आज कि लखनऊ रैली को इस नए प्रयोग की पहली बड़ी परीक्षा माना जा रहा है। अब यह मोर्चा कितना वोट हासिल करेगा यह तो चुनाव बताएगा लेकिन इतना तय है कि सपा और कांग्रेस की रणनीतिक मेज पर इसने एक नया सवाल रख दिया है।



बसपा ने शुरू कि सत्ता की चाबी को हासिल करने की कोशिशें

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने संविधान दिवस के मौके पर बहुजन समाज से सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में लेने के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का आत्मसम्मान और स्वाभिमान का मिशन आज भी अधूरा है, क्योंकि बहुजन समाज सत्ता की मास्टर चाबी अपने हाथ में नहीं ले पाया है। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अन्य उपेक्षित वर्गों को जातिवादी शोषण और गुलामी से मुक्ति दिलाकर शासक वर्ग बनाने के लिए बाबा साहेब ने आजीवन संघर्ष और त्याग किया। मायावती ने गुरुवार को संविधान दिवस पर जारी अपने संदेश में कहा कि 26 नवंबर को जब केंद्र और राज्य सरकारें संविधान दिवस मना रही हैं, तब बहुजन समाज को अपने महान संतों गुरुओं और महापुरुषों के संदेशों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। खासकर बाबा साहेब के इस अमर संदेश को समझने की जरूरत है कि सत्ता वह मास्टर चाबी है जिससे तरक्की और विकास के तमाम बंद दरवाजे खुल जाते हैं।

सपा पर बरसे कांग्रेस सांसद इमरान मसूद



कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा कि हम कमजोर सीट नहीं लेंगे। ये बिल्कुल कंफर्म है कि अगर आप हमें कमजोर सीट देंगे तो हम नहीं लेंगे। इमरान ने सपा के शीर्ष नेतृत्व पर तंज कसते हुए कहा कि जो सीट आप हमें देना चाहते हैं उन सीटों पर आप लड़ लीजिए। अगर आपको उन पर जीतने की इतनी क्षमता दिखाई दे रही है तो आप उन सीटों पर लड़िए। हम क्यों लड़ेंगे? हमें वहीं लड़ना है जहां हम रिजल्ट दे पाएंगे। हम अपने संगठन अपने नेताओं और अपनी पार्टी को बेहतर समझते हैं। हमारी जीतने की क्षमता को तय करने का अधिकार हमारी पार्टी का है। यह अधिकार सपा के पास नहीं है।

विपक्ष जितने हिस्सों में बंटेगा बीजेपी उतनी मजबूत होगी!

बेशक अभी इसे कांग्रेस-बसपा गठबंधन का संकेत मान लेना जल्दबाजी होगी। लेकिन राजनीति में कई बार दरवाजे खुलने से पहले उनकी कुंडी हिलने लगती है। और यूपी की राजनीति में इन दिनों कुंडियां कुछ ज्यादा ही खड़क रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम को बीजेपी अपने नजरिये से देख रही होगी। विपक्ष जितने हिस्सों में बंटेगा मुकाबले का गणित उतना जटिल होगा। मगर असली सवाल यह है कि क्या विपक्ष सत्ता परिवर्तन की लड़ाई लड़ रहा है या चुनाव से पहले ही एक-दूसरे की राजनीतिक जमीन नापने में जुट गया है। यूपी में अभी चुनावी बिगुल पूरी तरह बजा भी नहीं है और विपक्ष के खेमे में कुर्सियों की आवाजाही शुरू हो गई है। कहीं कोई साथी को छोटा समझ रहा है कहीं कोई नया साथी तलाश रहा है और कहीं कोई पुराना खिलाड़ी मैदान में लौटने की तैयारी में है। चुनाव अभी दूर है लेकिन गठबंधन का भूत अभी से सबकी नींद उड़ा रहा है।

भाजपा में भगवा परिवारवाद : अखिलेश यादव

सपा प्रमुख बोले- भाजपा ने मेरे सेठ को ले लिया तो हम भी धन्नासेठ को ले आए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने उनके सेठ को ले लिया, तो हम भी धन्नासेठ को ले आए। यह जवाब अखिलेश यादव ने उस सवाल पर दिया, जिसमें उनसे पूछा गया था कि आपने राज्यसभा का टिकट कॉर्पोरेट घराने के धनराज नाथवानी को क्यों दिया। अखिलेश यादव का इशारा राज्यसभा सांसद संजय सेठ की ओर था, जो पहले सपा में थे, बाद में भाजपा से राज्यसभा सांसद बने। इस चुनाव में सपा के कई विधायकों ने भाजपा का साथ दिया था।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा में भगवा परिवारवाद है। 56 विधायक, 13 सांसद, 10 विधान परिषद सदस्य, चार राज्यसभा सांसद व अन्य तीन नेता परिवारवाद से ही आए है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महंत अवैद्यनाथ के रिश्तेदार हैं। पंकज चौधरी, संदीप सिंह, जितिन प्रसाद, नितिन अग्रवाल, नीरज शेखर, कमलेश पासवान, सूर्यप्रताप शाही ये सब परिवार से हैं। एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में अखिलेश यादव ने कहा कि मंदिर में जाने का विषय व्यक्तिगत आस्था का है। कोई भी सनातनी किसी के मंदिर जाने पर विरोध नहीं करेगा। अयोध्या में प्रभु श्रीराम का मंदिर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से बना है। उन्होंने कहा कि पहले हमें अयोध्या में आने का निमंत्रण दिया गया था, अब हम जा रहे हैं। अगर आने से रोकना था तो निमंत्रण क्यों दिया था। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में अयोध्या में भाजपा को जीरो करना है। लोकसभा चुनाव में प्रभु श्रीराम ने अयोध्या में भाजपा को आशीर्वाद नहीं दिया।

चुनाव आयोग की हर गतिविधि पर रखें नजर

सपा अखिलेश यादव ने कहा कि पार्टी के नेता गांव-मोहल्लों में जाकर सम्मानित मतदाताओं से संपर्क करें और समाजवादी पार्टी को चुनाव जिताने की अपील करें। वे प्रदेश मुख्यालय पर विभिन्न जिलों से आए हुए कार्यकर्ताओं एवं नेताओं को संबोधित कर रहे थे। हर एक पीडीए-प्रहरी से व्यक्तिगत रूप से कह रहे हैं कि वो निर्वाचन आयोग की हर गतिविधि पर ध्यान रखें और सबूत भी जुटाता रहें।



26 सीटों पर सपा प्रत्याशी तय, बाकी पर कांग्रेस से बातचीत जारी : शिवपाल सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि पार्टी ने उत्तर प्रदेश की 26 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम तय कर लिए हैं और बाकी सीटों पर कांग्रेस के साथ बातचीत के बाद फैसला किया जाएगा। यादव ने एक शादी समारोह में शामिल होने के दौरान संवाददाताओं से कहा कि सपा ने राज्य की 26 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार तय कर लिये और बाकी सीटों पर कांग्रेस से बातचीत के बाद निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि लक्ष्य चुनाव जीतना और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को सत्ता से हटाना है। कांग्रेस और सपा के बीच सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत के बीच उन्होंने कहा कि गठबंधन के सहयोगियों को उन सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए आपसी सहमति बनानी चाहिए, जहां उनकी जीत की वास्तविक संभावना हो और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए ऐसा करना जरूरी है। यादव ने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा से निराश है और सत्तारूढ़ दल कमजोर हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियों से आम लोग, महिलाएं और युवा परेशान हैं। यादव ने विश्वास जताया कि आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में सपा के नेतृत्व वाला गठबंधन पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगा। हालांकि, उन्होंने गठबंधन के संभावित स्वरूप को लेकर कोई स्पष्ट टिप्पणी नहीं की। बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के धार्मिक प्रवचनों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि वह सभी धार्मिक संतों और भागवत कथावाचकों का सम्मान करते हैं। यादव ने कहा कि उनके क्षेत्र में भी नियमित रूप से भागवत कथाओं का आयोजन होता है और उन्होंने कभी धार्मिक प्रवचनों का विरोध नहीं किया।



अब तक दिल्ली से दूर क्यों बहुजन समाज : मायावती

» संविधान दिवस पर बसपा प्रमुख ने उठाए केंद्र सरकार पर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संविधान दिवस पर बसपा प्रमुख मायावती ने केंद्र और राज्य सरकारों पर निशाना साधते हुए बहुजन समाज से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करने का आह्वान किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की गई एक पोस्ट में उन्होंने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सिद्धांतों, वर्तमान सरकारों की कार्यशैली और आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर अपनी बात रखी है।

मायावती ने अपने संदेश में कहा कि बाबा साहेब ने करोड़ों दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और उपेक्षितों को जातिवादी शोषण व गुलामी से मुक्ति दिलाकर शासक वर्ग बनाने के लिए आजीवन संघर्ष किया। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि सत्ता की मास्टर चाबी हाथ में न ले पाने के कारण बाबा साहेब का आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का मिशन आज भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के अवसर पर बहुजन समाज को इस विषय पर गंभीर चिंतन करना चाहिए और इस अमर संदेश को याद रखना चाहिए कि सत्ता ही वह मास्टर चाबी है जिससे विकास के तमाम बंद दरवाजे खुलते हैं।

केंद्र सरकार की कार्यशैली पर उठाए सवाल

26 नवंबर के दिन केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा मनाए जा रहे संविधान दिवस के संदर्भ में मायावती ने पूछा कि आजादी के इतने लंबे समय और कल्याणकारी संविधान के होने के बावजूद बहुजन समाज दिल्ली की सत्ता से दूर क्यों है। उन्होंने सवाल दागा कि क्या अब तक रही केंद्र सरकारों ने आरक्षण के संवैधानिक दायित्व सहित गरीबी, बेरोजगारी, शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्म-सम्मान जैसी बुनियादी जरूरतों को ईमानदारी से निभाया है। यदि इस जिम्मेदारी को सही से नहीं निभाया गया है, तो इसका हिसाब-किताब अभी क्यों नहीं लिया जा रहा है।

सामंती व जातिवादी सोच वाली पार्टियों से बचना होगा

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब के आगामी विधानसभा चुनावों का जिक्र करते हुए बसपा प्रमुख ने कहा कि संविधान की पवित्र मंशा को जमीन पर उतारने के लिए संकीर्ण, सामंती व जातिवादी सोच वाली पार्टियों से बचना होगा। उन्होंने दावा किया कि बसपा ने उत्तर प्रदेश में अपने चारों शासनकाल में सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय की नीति पर चलकर कानून का राज स्थापित किया और सामाजिक परिवर्तन की मजबूत बुनियाद डाली। विरोधी पार्टियों के साम, दाम, दंड, भेद के हथकंडों का सामना करते हुए बसपा को फिर से सत्ता में लाना ही सर्वसमाज के हित, सुरक्षा और खुशहाली की एकमात्र गारंटी है।

उत्तराखंड में कांग्रेस की ताकत बढ़ाएंगी प्रियंका

कई जिलों मे रैलियों को संबोधित करेंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने बताया कि उत्तराखंड में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, प्रियंका गांधी गढ़वाल क्षेत्र के गौचर और कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चुनावी रैलियों को संबोधित करेंगी। गोदियाल ने बताया कि राहुल गांधी के भी राज्य में चार बार दौरे की योजना है, जिसमें से दो बार वे पहाड़ी इलाकों में और दो बार मैदानी इलाकों में जाएंगे।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी वोट हासिल करने के लिए केवल चुनावों से ठीक पहले महिलाओं के बैंक खातों में पैसे डालती है। गोदियाल ने कहा कि राज्य की जनता समझ जाएगी कि हर पांच साल में वोट पाने की उम्मीद से ही इस तरह के पैसे बांटे जा रहे हैं। उन्होंने महिलाओं के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया और पूछा कि अगर सरकार सच में महिलाओं की भलाई को लेकर चिंतित है, तो महिला सम्मान निधि योजना के तहत मिलने वाली राशि हर महीने उनके खाते में क्यों नहीं जमा की जाती? 24 नवंबर को, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने देहरादून स्थित अपने मुख्यालय में एक रणनीति बैठक आयोजित की। इस बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव और उत्तराखंड प्रभारी कुमारी शैलजा ने की।

शैलजा ने बताया कि 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले, राज्य के युवाओं और महिलाओं के बीच सरकार बदलने की स्पष्ट इच्छा दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि हर कोई कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार है, और सबकी कोशिशों का बस एक ही संदेश है – उत्तराखंड में सरकार बदलनी चाहिए और कांग्रेस पार्टी की सरकार बननी चाहिए। दूर-दराज के इलाकों में, चाहे युवा हों या महिलाएं, हमने सभी में यही भावना देखी।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी



शरद पवार एनडीए में आते तो वह राष्ट्रपति होते : अठावले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री रामदास अठावले ने दावा किया है कि अगर एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार 2019 में बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल हो जाते, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2022 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए उनके नाम पर विचार कर सकते थे। अठावले ने बताया कि उन्होंने कई बार पवार से गठबंधन में शामिल होने का आग्रह किया था और यह प्रस्ताव रखा था कि दोनों पक्ष एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम (साझा न्यूनतम कार्यक्रम) के आधार पर मिलकर काम करें।

बुधवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में, अठावले ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले समाजवादी पार्टी (एसपी) और कांग्रेस के बीच चल रही सीट-बंटवारे की चर्चाओं पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के इन दोनों सहयोगियों के लिए किसी समझौते पर पहुँचना मुश्किल हो सकता है और हो सकता है कि वे अलग-अलग चुनाव लड़ें। उन्होंने पंजाब में शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के साथ बीजेपी के फिर से हुए गठबंधन का भी स्वागत किया और कहा कि इससे राज्य में एनडीए की स्थिति मजबूत होगी।



अठावले ने बताया कि उन्होंने 2019 में पवार को एनडीए में शामिल होने के लिए व्यक्तिगत रूप से प्रोत्साहित किया था और कई बार यह प्रस्ताव रखा था कि एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम (साझा न्यूनतम कार्यक्रम) के जरिए दोनों पक्षों को एक साथ लाया जाए। उन्होंने कहा मैंने ही सुझाव दिया था कि शरद पवार को 2019 में एनडीए में शामिल हो जाना चाहिए। मैंने उनसे कई बार कहा कि हमें एक कॉमन मिनिमम प्रोग्राम के आधार पर साथ आना चाहिए। 2014 से 2019 के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के विकास को गति दी और कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई।

केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि मोदी हमेशा से शरद पवार का बहुत सम्मान करते रहे हैं। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब उन्होंने एनसीपी (एसपी) प्रमुख को अपना आदर्श बताया था। अठावले ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास में विश्वास रखते हैं, और हमारा लक्ष्य 2047 तक भारत को दुनिया की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाना है। वे हमेशा से शरद पवार का बहुत सम्मान करते आए हैं। जब मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, तब वे कहा करते थे कि वे पवार को अपना आदर्श मानते हैं।

राजस्थान पंचायत चुनाव के बाद मचा घमासान

कांग्रेस का भाजपा पर वार, बीजेपी में अपने भी कर रहे प्रहार

- भाजपा का रिवर्स काउंटडाउन शुरू : पायलट
- भाजपा मेंकिरोड़ी लाल के बयान से सियासी हलचल बढ़ी
- हरियाणा की बात कहकर बहुत कुछ बोल गए कृषि मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क



जयपुर। जबसे राजस्थान में पंचायत चुनाव में भाजपा को मात मिली है वो विपक्ष के निशाने पर तो है ही उसके अपने लोग भी भजन सरकार पर हमला वर है। राजस्थान के पंचायत चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद सचिन पायलट ने भाजपा का रिवर्स काउंटडाउन शुरू होने का दावा किया है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को एकजुट बताते हुए भजनलाल शर्मा सरकार पर निशाना साधा। पायलट ने कहा कि राजस्थान के पंचायत चुनावों में कांग्रेस की जीत के बाद पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने दावा किया है कि राज्य में भाजपा का रिवर्स काउंटडाउन शुरू हो गया है।

उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव के नतीजों ने साबित कर दिया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने भाजपा की नीतियों और सरकार के कामकाज को नकार दिया है। अब कांग्रेस को इस जीत की लय बरकरार रखते हुए आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनावों में इसे बड़ी सफलता में बदलने पर ध्यान देना चाहिए। सचिन पायलट ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की पूरी टीम एकजुट होकर काम कर रही है। सभी नेताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई हैं और वरिष्ठ नेता मिलकर पार्टी को मजबूत बनाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिवार एकजुट होकर चुनाव लड़ रहा है और पंचायत चुनावों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की है। वहीं चुनावों में मिली करारी हार के बाद बीजेपी में घमासान छिड़ता नजर आ रहा है। पार्टी के वरिष्ठ नेता हार के कारणों पर मंथन किए जाने की बात कह रहे हैं। इसी बीच सोमवार को कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने बीजेपी प्रदेश कार्यालय पहुंचकर ऐसा बयान दिया कि सियासत में भूचाल आ गया। उन्होंने कहा कि हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर को हटाकर नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया और इसके बाद भाजपा ने विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत दर्ज की। हालांकि उन्होंने सीधे तौर पर राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा का नाम नहीं लिया, लेकिन उनके इस बयान को राजस्थान में बीजेपी की हार से जोड़कर देखा जाने लगा है।

मुख्यमंत्री पद को लेकर बोले- अभी चर्चा का समय नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस बयान पर कि पार्टी आलाकमान चाहे तो वह फिर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, पायलट ने कहा कि कांग्रेस एक अनुशासित पार्टी है और फिलहाल उसका ध्यान देश तथा प्रदेश के बड़े मुद्दों पर है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे वोट चोरी, संस्थाओं पर कब्जे, बेरोजगारी और किसानों की समस्याओं के खिलाफ लड़ाई लड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री पद को लेकर पूछे गए सवाल पर पायलट ने कहा कि अभी यह तय करने का समय नहीं है कि किसे कौन-सी जिम्मेदारी मिलेगी। फिलहाल सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि पार्टी अपनी जीत के सिलसिले को बनाए रखे और इस राजनीतिक बढ़त को विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों में बड़ी जीत में बदले।

भजनलाल सरकार पर साधा निशाना



सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को राजस्थान में 11 सीटें मिलने के बाद पंचायत चुनावों ने भी दिखा दिया है कि जनता का सबसे ज्यादा भरोसा कांग्रेस पर है। पायलट ने आरोप लगाया कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार सभी मोर्चों पर विफल रही है और उसे अपने कामकाज पर आत्ममंथन करना चाहिए। गौरतलब है कि राजस्थान के पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है। कांग्रेस को इन नतीजों से 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक बढ़त मिली है। हालांकि, इस बढ़त को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए पार्टी को संगठन मजबूत करने, आपसी मतभेद दूर करने और ग्रामीण मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ कायम रखने की चुनौती होगी।

केंद्रीय नेतृत्व की ओर से हार के कारणों की समीक्षा की जा रही

राजस्थान में पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद किरोड़ी का यह उदाहरण इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से हार के कारणों की समीक्षा की जा रही है। संगठनात्मक बदलाव और मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं हैं। किरोड़ी लाल मीणा पहले भी अपने बयानों और पार्टी के भीतर उठाए गए मुद्दों को लेकर चर्चा में रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में पूर्वी राजस्थान की कई सीटों पर भाजपा की हार के बाद उन्होंने नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था। पार्टी नेतृत्व ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। बाद में पार्टी के निर्देश पर उन्होंने फिर से मंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली।

शेखावत ने भी माना, डबल इंजन सरकार के बावजूद नहीं मिले अपेक्षित नतीजे

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने भी पंचायत चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन को अपेक्षा के अनुरूप नहीं माना। रविवार को जयपुर में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ और संगठन महामंत्री अजय कुमार से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि पार्टी हर स्तर पर चुनाव परिणामों की समीक्षा करेगी। शेखावत ने कहा कि यह भी देखा जाएगा कि सरकारी योजनाओं को लागू करने में कहां कमी रही और उनका लाभ जनता तक पहुंचाने या योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी देने में क्या चूक हुई।



उन्होंने माना कि डबल इंजन सरकार होने के बावजूद अपेक्षित परिणाम नहीं मिलना समीक्षा का विषय है।इस तरह पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद भाजपा के तीन वरिष्ठ नेताओं के बयान सामने आए हैं। किरोड़ी ने हरियाणा में नेतृत्व परिवर्तन का उदाहरण दिया, कटारिया ने जनता की नाराजगी को कामकाज की कमी से जोड़ा और शेखावत ने सरकार तथा संगठन के स्तर पर समीक्षा की जरूरत बताई।

कटारिया बोले- जनता नाराज है तो हमारे काम में कमी है

पंचायत चुनाव में भाजपा के प्रदर्शन पर सिर्फ किरोड़ी ने ही सवाल नहीं उठाए हैं। पंजाब के राज्यपाल और राजस्थान भाजपा के वरिष्ठ नेता गुलाबचंद कटारिया ने भी पार्टी को आत्ममंथन की सलाह दी है। चंडीगढ़ में मीडिया से बातचीत में कटारिया ने कहा कि पार्टी को चुनाव में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं मिलने के कारणों की गंभीरता से समीक्षा करनी चाहिए और कमियों को दूर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता की सेवा के लिए



है। यदि जनता उससे खुश नहीं है तो इसका मतलब है कि उसके काम में कहीं न कहीं कमी रह गई है।

हरियाणा में भी खट्टर साहब को हटाया नायब साहब को बैठाया और प्रचंड बहुमत से बीजेपी आ गई : किरोड़ी

किरोड़ी सोमवार को जयपुर स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे थे। यहां मीडिया से बातचीत में उनसे कांग्रेस की ओर से पंचायत चुनाव के नतीजों को 2028 के विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट बताए जाने पर सवाल किया गया। इस पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ऐसा मानकर गलती कर रही है। उन्होंने कहा- हरियाणा में भी खट्टर साहब को हटाया... नायब साहब को बैठाया और प्रचंड बहुमत से बीजेपी आ गई। किरोड़ी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब राजस्थान में पंचायत चुनावों के नतीजों के बाद भाजपा संगठन और सरकार के स्तर पर बदलावों को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि उन्होंने राजस्थान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बदलने की कोई सीधी मांग नहीं की और न ही उनके नेतृत्व पर सवाल उठाया, लेकिन



हरियाणा का उदाहरण देकर उन्होंने नेतृत्व परिवर्तन के राजनीतिक विकल्प की ओर ध्यान जरूर खींचा है। किरोड़ी ने मार्च 2024 में हरियाणा में हुए नेतृत्व परिवर्तन का जिक्र किया। उस समय भाजपा ने मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया था। इसके करीब सात महीने बाद अक्तूबर 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सरकार बनाई। पार्टी ने 90 में से 48 सीटें जीतकर बहुमत हासिल किया था।

पंचायत चुनाव के नतीजे जनता का संदेश

पायलट ने कहा कि पंचायत चुनावों के नतीजे केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए बड़ा संदेश हैं। ग्रामीण मतदाताओं ने भाजपा और उसकी नीतियों को पूरी तरह नकार दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के डबल इंजन सरकार के दावे भी इन चुनावों में बेअसर साबित हुए हैं। उन्होंने मनरेगा को रोकने, समय पर स्थानीय निकाय चुनाव नहीं कराने और किसानों की बदहाली जैसे मुद्दों को भी चुनाव परिणामों की वजह बताया। पायलट के मुताबिक, राजस्थान में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक मतदाताओं ने कांग्रेस के पक्ष में समर्थन दिया है। इससे भाजपा को राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आत्ममंथन करना चाहिए।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_SanjayS

जिद... सच की

बोतलबंद पानी की जगह हम जहर पी रहे हैं?

भारत नदियों का देश है। पर यहां कहीं पानी ही पानी है तो कहीं सूखा। पर इन सबके बीच पानी का धंधा भी अरबों का हो रहा हैं। इस धंधे में पानी के व्यापार से जुड़ी कंपनियां लोगों को जहर पिला रहीं हैं। हाल ही में एक नामीगिरामी पानी का सप्लाई करने वाली कंपनी के पानी में मिलावट पकड़ी गई। प्यास मनुष्य की सबसे आदिम और निश्छल आवश्यकता है। भारतीय संस्कृति में जल को केवल एक रासायनिक यौगिक नहीं, बल्कि जीवन का पर्याय और अमृत माना गया है। राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना और जल स्रोतों को सहेजना कभी सबसे बड़ा पुण्य कार्य था। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में नदियां प्रदूषित हुईं, भूजल स्तर पाताल में जा धंसा और सार्वजनिक नलों से आने वाले पानी की शुद्धता संदेह के घेरे में आ गई। इसी असुरक्षा के शून्य से बोतलबंद पानी के विशाल बाजार का जन्म हुआ, जिसका निर्विवाद सम्राट बनकर उभरा-बिसलेरी। आज देश के किसी भी कोने में खड़ा प्यासा व्यक्ति दुकानदार से पानी नहीं मांगता, वह सीधे बिसलेरी मांगता है।

यह नाम किसी उत्पाद का ट्रेडमार्क भर नहीं रहा, बल्कि आम भारतीय के मन में शुद्धता की अंतिम गारंटी बन गया। ऐसे में जब देश की सर्वोच्च खाद्य नियामक संस्था भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने बिसलेरी के खिलाफ कानूनी कार्यवाही की मंजूरी दी, तो यह केवल एक कॉर्पोरेट घराने पर गिरी गाज नहीं है, बल्कि करोड़ों लोगों के उस अंतिम भरोसे के दरकने की आहट है, जिसके सहारे वे बीस रुपये खर्च करके अपनी सेहत की सुरक्षा खरीदते थे। इस विवाद की तह में जाएं तो एक बेचैनी पैदा करने वाला विरोधाभास सामने आता है। गोवा स्थित कंपनी के एक संयंत्र से लिए गए पैकेज्ड पेयजल के नमूने में पहले ब्रोमेट नामक रासायनिक तत्व निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया और जब कंपनी की अपील पर वही नमूना रेफरल प्रयोगशाला पहुंचा, तो वहां उसमें पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन जैसे घातक तत्वों की मौजूदगी दर्ज हुई। विज्ञान की दृष्टि से ये दोनों ही तत्व मानवीय शरीर के लिए धीमे जहर से कम नहीं हैं। ओजोन प्रक्रिया के दौरान बनने वाला ब्रोमेट हो या रासायनिक प्रदूषण से उपजने वाले पीएएच, दोनों का दीर्घकालिक सेवन गुर्दों की कार्यक्षमता को नुकसान पहुंचाने से लेकर कैंसर जैसी असाध्य बीमारियों को न्योता दे सकता है। दूसरी ओर, कंपनी का अपना पक्ष है कि उसके एक सौ तैंतालीस संयंत्रों के विशाल तंत्र में से केवल एक इकाई के एक बैच का यह मामला है, जिसमें छह में से पांच नमूने खरे उतरे थे और स्वतंत्र प्रयोगशाला की जांच में छठा नमूना भी सुरक्षित पाया गया था।

“ राहगीरों के लिए प्याऊ लगवाना और जल स्रोतों को सहेजना कभी सबसे बड़ा पुण्य कार्य था। लेकिन विकास की अंधी दौड़ में नदियां प्रदूषित हुईं, भूजल स्तर पाताल में जा धंसा और सार्वजनिक नलों से आने वाले पानी की शुद्धता संदेह के घेरे में आ गई। इसी असुरक्षा के शून्य से बोतलबंद पानी के विशाल बाजार का जन्म हुआ।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र में लोकसेवकों की राजशाही मानसिकता

विश्वनाथ सचदेव

लगभग दस साल पुरानी बात है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के आरा में एक चुनावी रैली में जनता से पूछा था, 'बताइए, कितने का पैकेज दूं?' और फिर खुद ही बोली लगाने वाले अंदाज में उन्होंने साठ हज़ार करोड़, सत्तर हजार करोड़ कहते हुए सवा लाख करोड़ रुपये देने की घोषणा की थी। दूसरे दिन अख़बारों के पहले पन्ने पर बड़े-बड़े अक्षरों में छपा था—प्रधानमंत्री ने बिहार की जनता को सवा लाख करोड़ रुपये की सौगात दी। यह पहली बार नहीं था, जब किसी प्रधानमंत्री ने इस तरह की सौगात देने की घोषणा की थी, और न ही यह आख़िरी बार थी। इसके बाद तो प्रधानमंत्री की तर्ज़ पर सौगात बांटने का यह नुस्खा राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी अपना लिया। अखबारों में और टीवी पर बड़े-बड़े विज्ञापन देकर इस 'सौगात' की घोषणा की जाती है।

ये विज्ञापन देखकर कई बार तो लगता है कि जनता को सौगात देने से ज़्यादा राशि इस घोषणा के विज्ञापनों पर खर्च हो जाती होगी! प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्री द्वारा अपने देश या राज्य की जनता को इस तरह के आर्थिक अनुदान देने और इसकी घोषणा करने में कुछ नया नहीं है। कुछ गलत भी नहीं है, सिवाय इसके कि यह राशि, जिसे सौगात कहकर प्रचारित किया जाता है, प्रधानमंत्री अथवा मुख्यमंत्रियों के किसी निजी खाते से नहीं बांटी जाती। तो फिर इसे इस तरह भुनाने की कोशिश क्यों होती है? था कोई राजे-महाराजाओं का जमाना, जब शासक अपनी प्रजा को ख़ैरात बांटा करते थे। अब न कोई किसी का शासक है और न ही कोई किसी की प्रजा। हमारा भारत अब एक गणतंत्र है, जिसमें कुर्सी पर भले ही कोई बैठा हो, पर असली शासक जनता ही होती है। हर नागरिक का एक वोट है और हर वोट की कीमत समान है—वोट चाहे राजा का हो या फकीर का! लेकिन आरा में प्रधानमंत्री द्वारा सौगात देने की उस घोषणा और जिस तरह आज राज्यों के मुख्यमंत्री खैरात बांटने की घोषणाएं करते हैं तथा जनता के हक़ की राशि को 'सौगात' कहा जाता है, उससे लगता है कि हमारे वोट से सत्ता संभालने का अधिकार पाने वाले हमारे 'शासक' शायद स्वयं को राजा-महाराजाओं जैसा शासक ही मानने लगे हैं।

हाल ही में दशहरे के अवसर पर एक भूतपूर्व राजा ने राजाओं जैसी वेशभूषा पहनकर शायद यही दिखलाना चाहा था कि वे अब भी राजा हैं! देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्वयं को जनता का सेवक बताया था। अब भी प्रधानमंत्री और मंत्री स्वयं को जनता का सेवक तो बताते हैं, पर



उनकी सोच और व्यवहार उन राजाओं जैसा ही दिखता है, जो स्वयं को अपनी प्रजा का पालक मानते थे। राजधानी दिल्ली में कई-कई एकड़ में फैले मंत्रियों के बंगले भी इसी बात की गवाही देते हैं कि जनतांत्रिक देश के ये नए शासक स्वयं को राजाओं जैसा ही देखते-समझते हैं। इसीलिए ख़ैरात बांटते हैं, सौगात देते हैं! केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को दी जाने वाली राशि अथवा मुख्यमंत्रियों द्वारा राज्य की जनता के विकास के लिए खर्च की जाने वाली राशि जनता का अधिकार है। इसलिए, जब कोई शासक जनता से पूछता है कि बोलो, कितने पैसे दूं, और फिर इस दी गई राशि को 'सौगात' कहकर प्रचारित करता है, तो यह बात छिपी नहीं रहती कि उसकी मानसिकता वही राजा-महाराजाओं वाली है, जो यह मानते थे कि उन्हें ईश्वर ने शासन करने के लिए ही भेजा है। इन नए राजाओं के पास राजमहल भले ही न हों, पर वे अपने आवास को महलों जैसा अवश्य समझते हैं और वैसा ही बनाना चाहते हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार जब दिल्ली में बनी थी, तो मुख्यमंत्री के लिए जो आवास बनाया-सजाया गया था, उसे 'शीशमहल' ही कहा जाने लगा था। जब इन नए शासकों के काफिले सड़क पर चलते हैं, तो अजीब-सा नजारा बन जाता है। आठ-दस कारों का काफ़िला लेकर चलते हैं हमारे मंत्री। सायरन बजाती उनकी कारें जब निकलती हैं, तो पदयात्री तो घबरा ही जाते हैं! लोकतंत्र में जनता अपना शासक चुनती है। यह चुनाव होता भले ही शासन करने के लिए है, पर अपेक्षा यह होती है कि हमारा यह चुना हुआ प्रतिनिधि शासक की तरह नहीं, बल्कि सेवक की तरह जनता के हित में काम करेगा। सच्चाई यह भी है कि हमारे ये नए शासक कहते तो यही हैं कि वे जनता के सेवक हैं, पर उनकी सोच और मानसिकता इसके विपरीत ही दिखाई देती है।

चुनावी सभाओं में की जाने वाली घोषणाएं और ख़ैरात बांटना हमारे शासकों की मानसिकता को ही दर्शाता है। हमारे चुने हुए प्रतिनिधि अच्छे ढंग से रहें और उन्हें उचित एवं समुचित साधन उपलब्ध हों, इससे किसी को इनकार नहीं होगा। पर जब ये प्रतिनिधि राजशाही वाले शासकों की मानसिकता के साथ जीने लगते हैं, तो उन्हें यह कहने का मन तो करता ही है कि आप राजा नहीं हैं, जनता के सेवक हैं। आपसे एक ईमानदार सेवक की तरह काम करने की अपेक्षा है।

आज भी जीवन को दिशा देने वाले शाश्वत विचार



युग भले ही बदल चुका हो, परिस्थितियां कमोबेश वही हैं। ऐसे में सामाजिक कायाकल्प करने हेतु जगतगुरु नानक जी सरीखे महापुरुषों द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का गहनतापूर्वक मनन और अनुसरण करना समय की मांग बन जाता है।

दीपिका अरोड़ा

सिख धर्म के संस्थापक एवं प्रथम गुरु नानक देव जी का जन्म 15 अप्रैल, 1469 ई. को राय भोई की तलवंडी (वर्तमान में ननकाना साहिब) में हुआ था। माता तृप्ता तथा पिता मेहता कालू के घर जन्मा यह अलौकिक बालक बचपन से ही धीर-गंभीर स्वभाव का था। किसी शब्द या अक्षर का गहन विश्लेषण करना हो अथवा प्रचलित रस्मों को तार्किक आधार पर परखना, ये सभी गुण उनमें बाल्यकाल से ही विद्यमान थे। गुरु नानक जी युवावस्था की दहलीज पर पहुंचने से पूर्व ही तत्कालीन समाज की दुर्दशा भली-भांति भांप चुके थे। सर्वत्र अंधविश्वास, पाखंड तथा कट्टरता का बोलबाला था। जाति प्रथा, वर्ण व्यवस्था, छुआछूत जैसी कुप्रथाएं चरम पर थीं। निरंकुश शासक जनता का शोषण कर रहे थे।

अभिशप्त जीवन से उबारने का एकमात्र उपाय था ज्ञानदीप प्रज्वलित करके सुसुप्तप्राय: जनसामान्य को झकझोरना, दिशाज्ञान देने के साथ-साथ स्वयं उदाहरण बनकर उन्हें अन्याय के विरुद्ध आवाज़ उठाने का साहस प्रदान करना। यह महत्त्वपूर्ण कार्य करने का बीड़ा उठाया विचारशील, समाज-सुधारक एवं संत प्रकृति के स्वामी गुरु नानक जी ने। इस संदर्भ में उनके द्वारा की गई चार उदासियां (धर्म-यात्राएं) विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। भारत के अलावा मक्का, अरब, तिब्बत तथा अफगानिस्तान जैसे दूरस्थ क्षेत्रों की यात्राएं करके जहां उन्होंने सत्य, प्रेम तथा भाईचारे का संदेश दिया, वहीं पाखंडों और अंधविश्वासों का खंडन भी किया। गुरु नानक जी की शिक्षाएं तीन मुख्य सिद्धांतों पर आधारित हैं—नाम जपो, कीरत करो और वंड छको। 'नाम जपो' से आशय निरंतर ईश्वर से जुड़े रहना तथा सबका भला मांगना है। 'एक ओंकार' में आस्था रखने वाले बाबा नानक जी के अनुसार, 'नानक नाम चढ़दी कला, तेरे भाणे सरबत दा भला।'

'कीरत करो' से अभिप्राय ईमानदारीपूर्वक आजीविका कमाकर परिवार का पालन-पोषण करना है। 'वंड छको' का अर्थ है मिल-बांटकर खाना तथा अपनी कमाई का कुछ हिस्सा ज़रूरतमंदों की सहायता के लिए अर्पित करना। सामाजिक समानता के पक्षधर गुरुजी के विचार में जन्म से किसी की जाति ऊंची या नीची नहीं होती; ऊंच-नीच तो अच्छे और बुरे कर्मों के माध्यम से तय होती है। उनके शब्दों में, 'न हम हिंदू, न मुसलमान।' इसी सोच के तहत 'लंगर' की शुरुआत की गई, जिसमें किसी भी वर्ण, धर्म, जाति या समुदाय से संबद्ध लोग एक साथ बैठकर भोजन करते हैं। बाबा नानक जी के कथनानुसार, मुक्ति या आध्यात्मिकता मात्र संन्यासी बनने अथवा गुफ़ाओं में बैठने से नहीं मिलती।

गृहस्थ जीवन में सामाजिक दायित्व निष्ठापूर्वक निभाकर भी इन्हें प्राप्त किया जा सकता है। वे कमल की ही भांति सांसारिक कीचड़ से निर्लिप्त रहकर प्रभु-भक्ति करने पर बल देते हैं। दरअसल, पांच शताब्दी पूर्व दी गईं ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। 'पउणु गुरू पाणी पिता माता धरति महतु' कहकर गुरु नानक जी ने पवन, पानी और धरती को क्रमश: गुरु, पिता तथा माता जैसा महत्त्वपूर्ण दर्ज दिया। इसके बावजूद स्वार्थी मानव नहीं संभला। नतीजतन, अनमोल प्राकृतिक तत्त्व आज चिंताजनक स्तर तक विषाक्त हो चुके हैं। भेदभाव की जिस खाई को पाटना बाबाजी के जीवन का उद्देश्य रहा, वह आज भी कहीं-न-कहीं समाज में अपनी जगह बनाए हुए है। जिस नारी के सम्मान में बाबाजी 'सो किउ मंदा आखिए जितु जम्हि राजान' का पुखूता स्वर बुलंद करते रहे, वह आज भी लैंगिक पक्षपात, शोषण आदि से पूर्णत: मुक्त नहीं हो पाई है।

क्षुधाकुल पेट भरने को ही 'सच्चा सौदा' मानने वाले गुरु नानक जी के देश में, दुर्भाग्यवश, आज ऐसे सौदागरों की कोई कमी नहीं, जो मुनाफाखोरी के लोभ में लोगों का जीवन तक दांव पर लगा देते हैं। निहित स्वार्थों के चलते मजहब और जाति के नाम पर लोगों को लड़ाना आधुनिक राजनीति में आम देखा जा सकता है। भौतिकतावाद की अंधी दौड़ में हमने स्वयं को इस क़दर मसरूफ़ कर डाला है कि हमारे भीतर बसा 'अनहद नाद' भूले से भी हमें सुनाई नहीं पड़ता। इसी कारण बात-बेबात संबंध दरक रहे हैं। समाज में अनाचार बढ़ रहा है, अनैतिकता हावी हो रही है तथा अशांति और अवसाद गहराते जा रहे हैं। कुल मिलाकर, युग भले ही बदल चुका हो, परिस्थितियां कमोबेश वही हैं। ऐसे में सामाजिक कायाकल्प करने हेतु जगतगुरु नानक जी सरीखे महापुरुषों द्वारा प्रदत्त शिक्षाओं का गहनतापूर्वक मनन और अनुसरण करना समय की मांग बन जाता है।

मल्टीग्रेन आटे खाने के फायदे



इस मल्टीग्रेन आटे से बनी रोटियां खाने से शरीर को प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी पोषक तत्व मिल सकते हैं। गेहूं के आटे में सोयाबीन का आटा और बेसन मिलाने से रोटियों में प्रोटीन की मात्रा बढ़ सकती है, जो मांसपेशियों के रखरखाव और शरीर को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है। वहीं, फाइबर पाचन को बेहतर रखने और पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराने में सहायक होता है। इसके अलावा, आटा गूंथते समय पालक या मेथी मिलाने से रोटियों में विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की मात्रा भी बढ़ सकती है।

सोयाबीन और बेसन

सोयाबीन को प्रोटीन का अच्छा स्रोत माना जाता है, वहीं बेसन में भी प्रोटीन और फाइबर भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। जब आप इन दोनों को गेहूं के आटे में मिलाकर रोटियां बनाते हैं, तो उनकी पौष्टिकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इससे रोजाना की डाइट में प्रोटीन शामिल करना आसान हो सकता है, साथ ही रोटियों के स्वाद और बनावट में भी बदलाव आता है। इसके लिए 10 किलो गेहूं के आटे में 1 किलो सोयाबीन का आटा और 1 किलो बेसन अच्छी तरह मिलाकर रख लें। अगर आप एक साथ ज्यादा आटा तैयार नहीं करना चाहते, तो कम मात्रा में भी इसी अनुपात को अपनाया जा सकता है। इस तरह तैयार आटे से बनी रोटियां रोजाना की डाइट में प्रोटीन बढ़ाने का एक अच्छा विकल्प हो सकती हैं।

मल्टीग्रेन आटा

बनाने के लिए गेहूं के आटे में मिलाएं ये चीजें



सेहतमंद रहने के लिए खानपान में संतुलन बनाए रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए सिर्फ फल और सब्जियां खाना ही नहीं, बल्कि रोजाना के भोजन को ज्यादा पौष्टिक बनाना भी मायने रखता है। भारतीय थाली में रोटी की अहम जगह होती है और ज्यादातर घरों में गेहूं के आटे से बनी रोटियां ही खाई जाती हैं। लेकिन अगर आप इसी रोटी को थोड़ा और पौष्टिक बनाना चाहते हैं, तो आटे में कुछ हेल्दी चीजें मिलाकर इसकी पौष्टिकता बढ़ा सकते हैं। इससे रोटी के स्वाद में भी बदलाव आएगा और रोजाना की डाइट को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। आप घर पर ही आसानी से पौष्टिक मल्टीग्रेन आटा तैयार कर सकते हैं। इस तरह रोजाना मल्टीग्रेन आटा खाने से रोटी को स्वादिष्ट बनाने के साथ उसकी पौष्टिकता भी बढ़ाई जा सकती है।



आटे में मिलाएं हरी पत्तेदार सब्जियां

आटे को ज्यादा पौष्टिक बनाने के लिए आप उसमें पालक या मेथी जैसी हरी पत्तेदार सब्जियां मिला सकते हैं। ध्यान रखें कि सब्जियों की मात्रा सीमित रखें, क्योंकि ज्यादा सब्जियां मिलाने से आटा गूंथने और रोटी बेलने में परेशानी हो सकती है। पालक और मेथी मिलाने से रोटियों का स्वाद बढ़ने के साथ उनमें फाइबर, विटामिन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है। हरी पत्तियों (जैसे पालक) को हल्का सा उबाल लें और मिक्सी में पीसकर पेस्ट बना लें। अब इस प्यूरी से ही सीधे आटे को गूंथें। इसमें आपको अलग से पानी डालने की जरूरत बहुत कम पड़ेगी। मेथी के पत्तों को बिल्कुल बारीक काट लें। आटे में इन पत्तियों के साथ थोड़ी अजवाइन, जीरा, नमक और हल्का सा तेल डालकर अच्छी तरह मिला लें।

हंसना मना है

भैया की साली की सहेली पर पप्पू इंप्रेशन जमाने के लिए बोला... पप्पू- I love You Totally... सहेली देहाती थी... इसलिए Totally को तोतली समझ भड़क गई...बोली- तेरा बाप तोतला, तेरी मां तोतली...तू तोतला...तेरा खानदान होगा तोतला...मुझे तोतली कह रहा है... तोतले खानदान की बदतमीज औलाद... पप्पू- आइला, Totally गुस्सा भी करती है।

टीचर- बच्चों मुझे बताओ कि पहले जिस जगह का नाम मद्रास था, अब उसे किस नाम से जाना जाता है? स्टूडेंट- चेन्नई। टीचर- बिल्कुल सही जवाब। अब मुझे बताओ कि चेन्नई नाम क्यों रखा गया? स्टूडेंट- सर, वहां के लोग लुंगी पहनते हैं न और लुंगी में पैंट की तरह चेन नहीं होती, इसलिए (चेन नहीं) चेन्नई नाम रखा गया।

टीटी ने चिंटू को पकड़ लिया, टीटी- टिकट दिखा, चिंटू- अरे मैं ट्रेन में आया ही नहीं, टीटी- क्या सबूत है? चिंटू- अबे सबूत यही है कि मेरे पास टिकट नहीं है।

पत्नियां बहुत समझदार होती हैं.... दूसरों के सामने अपने पति को कभी सीधे बेवकूफ नहीं बोलती हैं... बल्कि घुमाकर कहती हैं...अरे इनको तो कुछ पता ही नहीं है.... बहुत सीधे-सादे हैं दुनियादारी की समझ ही नहीं है।

कहानी | मुल्ला नसरुद्दीन और बेईमान काजी

एक दिन मुल्ला नसरुद्दीन को बाजार में अचानक एक अनजान व्यक्ति ने उन्हें थप्पड़ मार देता है। मुल्ला को कुछ समझ नहीं आता। फिर अनजान व्यक्ति उनसे हाथ जोड़कर माफी मांगने लगता है। वह कहता है, मुल्ला जी, मुझे माफ कर दीजिए। मैं किसी दूसरे को मारना चाहता था, लेकिन गलती से आपको थप्पड़ मार दिया। मुल्ला को भरोसा नहीं हुआ। वह इंसाफ के लिए एक काजी के पास उस अजनबी को लेकर चले गए। काजी और उस अनजान व्यक्ति के बीच में कुछ बातें हुईं। उन बातों को सुनकर नसरुद्दीन को लगा कि वो दोनों एक दूसरे को पहले से ही जानते हैं। फिर भी मुल्ला ने काजी से इंसाफ करने के लिए कहा। काजी ने उस अजनबी से पूछा, क्या मुल्ला जो कह रहा है, वो सब सच है। व्यक्ति ने काजी को बताया गलती से थप्पड़ मार दिया था। काजी ने कहा कि तुम्हें मुल्ला को थप्पड़ मारने का जुर्माना भरना होगा। काजी ने जुर्माने की रकम एक रुपये तय की। मुल्ला इस फैसले से खुश नहीं थे। तभी काजी ने व्यक्ति से कहा कि अगर तुम्हारे पास अभी पैसे नहीं हैं, तो तुम बाहर जाकर पैसे कमा सकते हो। जब पैसे इकट्ठे हो जाएं, तब दे देना। यह सुनकर मुल्ला को यकीन हो गया कि ये दोनों मिले हुए है। वो यह फैसला सुनकर चुपचाप वहां से चले गए। काफी समय बीतने के बाद भी वह थप्पड़ मारने वाला व्यक्ति वापस नहीं आया। अब मुल्ला के मन में हुआ कि वह वापस आने वाला नहीं है। यह सब काजी और उस आदमी की चाल थी। तभी मुल्ला ने काजी को सबक सिखाने का फैसला ले लिया। मुल्ला तुरंत काजी के पास पहुंच गए। काजी से नसरुद्दीन पूछते हैं, काजी साहब, क्या अनजान व्यक्ति को थप्पड़ मारने का जुर्माना सिर्फ एक रुपये होना सही है? काजी झट से जवाब देते हुए कहता है कि हां, थप्पड़ के बदले एक रुपये का जुर्माना काफी है। काजी का जवाब सुनते ही मुल्ला उसे एक थप्पड़ मार देते हैं। मुल्ला कहते हैं, काजी साहब, जब भी वह थप्पड़ मारने वाला अनजान व्यक्ति लौटेगा उस पर लगाया गया एक रुपये का जुर्माना आप ले लीजिएगा। इतना कहकर मुल्ला वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें





जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष



सुबह के समय स्थिरता से काम करें, बाद में संवाद और संपर्कों से काम आगे बढ़ेंगे। वाहन, मशीनरी और निर्माण सामग्री से जुड़े कारोबार में अवसर मिल सकते हैं।

वृषभ



सुबह तक कार्यक्षेत्र में स्थिरता रहेगी, बाद में संवाद और छोटी यात्राओं से काम बनेंगे। लेखन, विज्ञापन और संचार से जुड़े कारोबार में नए ग्राहक मिल सकते हैं।

मिथुन



सुबह 7:11 बजे के बाद चंद्रमा आपकी राशि में आने से आत्मविश्वास और कार्यक्षमता बढ़ेगी। पारिवारिक व्यवसाय और नए व्यापारिक सौदों में प्रगति हो सकती है।

कर्क



वरिष्ठों से बातचीत में धैर्य रखें और अपने काम की प्राथमिकताएं तय करें। पुराने निवेश और दूरस्थ संपर्कों से लाभ के अवसर मिल सकते हैं।

सिंह



सहकर्मियों और मित्रों की मदद से काम पूरे होंगे। नए संपर्कों और समूहों से व्यापारिक अवसर मिल सकते हैं। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा और सामाजिक दायरा बढ़ेगा।

कन्या



कार्यक्षेत्र में जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, धैर्य और अनुशासन बनाए रखें। बड़े सौदों और साझेदारी में शर्तें ध्यान से पढ़ें। परिजनों के साथ बातचीत में विनम्रता रखें।

तुला



वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिल सकते हैं। व्यापार में नए ग्राहकों और साझेदारों से लाभ की संभावना है।

वृश्चिक



कार्यक्षेत्र में निर्णय क्षमता की सराहना होगी और नई जिम्मेदारी मिल सकती है। प्रशासनिक और पारिवारिक व्यवसाय में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु



भाग्य का सहयोग मिलेगा और रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे। उच्च शिक्षा, परामर्श और यात्रा से जुड़े व्यवसायों में अवसर मिल सकते हैं। प्राणायाम लाभकारी रहेंगे।

मकर



गोपनीय योजनाओं को साझा करने से बचें और अपने काम पर ध्यान दें। शोध, बीमा और तकनीकी क्षेत्र से जुड़े कामों में अवसर मिल सकते हैं। सुपाच्य भोजन करें।

कुम्भ



साझेदारी के कामों में तालमेल से लक्ष्य पूरे हो सकते हैं। नए अनुबंध और व्यापार विस्तार के लिए दिन अनुकूल है। दांपत्य जीवन में प्रेम और विश्वास बढ़ेगा।

मीन



मेहनत और अनुशासन से कार्यक्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करेंगे। सेवा क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों को नए ग्राहक मिल सकते हैं। परिवार के सदस्यों की जरूरतों का ध्यान रखें।

फिल्म फोर्स 3 में नोरा फतेही का लगेगा डांस का तड़का



जॉन अब्राहम की फिल्म फोर्स 3 में नोरा की एंट्री खास होने वाली है। इसके साथ ही वह करीब छह साल बाद जॉन अब्राहम के साथ फिर से काम करती नजर आएंगी। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स इस गाने को बड़े लेवल पर तैयार करने का प्लान बना रहे हैं। फिल्म के एक्शन और बड़े दर्शक वर्ग को ध्यान में रखते हुए इसे खास अंदाज में फिल्माया जाएगा।रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया, नोरा को एक खास डांस नंबर के लिए चुना गया है। इसे हाई एनर्जी और शानदार म्यूजिकल अंदाज में तैयार करने का प्लान है, जो बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करेगा। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इस गाने की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। गाने से जुड़ी बाकी जानकारियां फिलहाल सामने नहीं आई हैं।भाव धूलिया के निर्देशन में बन रही फोर्स 3 में जॉन अब्राहम एक बार फिर एसीपी यशवर्धन सिंह के किरदार में दिखाई देंगे। इस फ्रेंचाइजी की शुरुआत साल 2011 में फिल्म फोर्स से हुई थी। इसके बाद 2016 में इसका दूसरा भाग फोर्स 2 रिलीज हुआ था।फिल्म के तीसरे भाग में जॉन के साथ हर्षवर्धन राणे, तान्या मानिकतला और सूर्या शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फोर्स 3 अगले साल 19 मार्च 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

फिर उठी पाकिस्तानी ड्रामें की बैन की मांग

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को शायद ही कोई भारतीय इतनी आसानी से भूल पाएगा। बैसरन घाटी में 26 पर्यटकों और एक स्थानीय कश्मीरी की बेरहमी से हत्या ने पूरे देश को झकझोर दिया था। उस घटना के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ा और पाकिस्तानी कलाकारों, फिल्मों और मनोरंजन से जुड़े प्रोजेक्ट्स को लेकर देश में विरोध की आवाजें तेज हो गईं।

अब एक बार फिर पाकिस्तानी कंटेंट को लेकर सोशल मीडिया पर गुस्सा फूट पड़ा है। इस बार विवाद के केंद्र में दो नाम हैं–नेटफ्लिक्स की पाकिस्तानी सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो और पाकिस्तानी ड्रामा डर ए निजात की दिल्ली में हुई फैन स्क्रीनिंग।

सबसे पहले बात करते हैं नेटफ्लिक्स की पहली पाकिस्तानी ओरिजिनल सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की। इस सीरीज में फवाद खान, माहिरा खान, अहद रजा मीर, इक़रा अजीज, सनम सईद, हानिया आमिर, हमजा अली अब्बासी और माया अली जैसे चर्चित पाकिस्तानी सितारे नजर आने वाले हैं। पोस्टर के मुताबिक, यह सीरीज 4 दिसंबर 2026 को दुनियाभर में रिलीज होने वाली है।

लेकिन जैसे ही इसके पोस्टर और कलाकारों के लुक सोशल मीडिया पर सामने आए, भारत में विरोध शुरू हो गया।



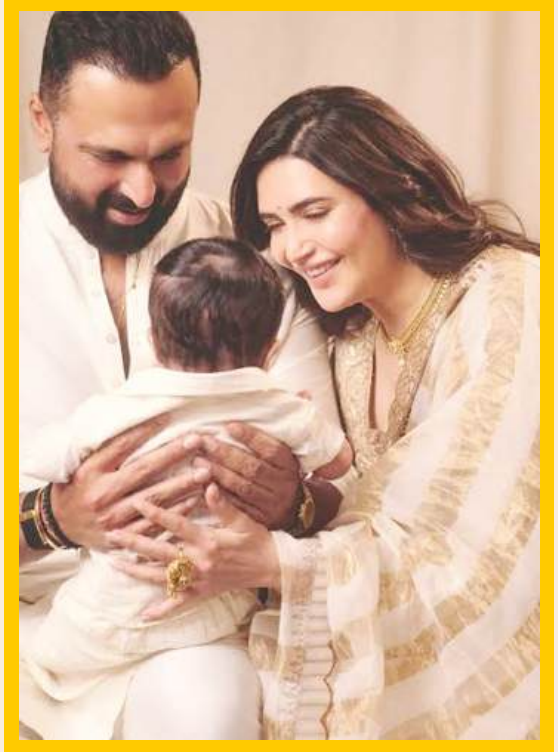
सलमान खान संग कनेक्शन का माही को मिला फायदा!

माही विज बिग बॉस के घर में अपने खेल से ज्यादा अपने सेफ होने को लेकर चर्चा में हैं। टीवी पर भले ही उनकी बड़ी पहचान हो, लेकिन बिग बॉस में उनका गेम अब तक कुछ खास नहीं दिखा है। इसके बावजूद वो हर हफ्ते किसी न किसी तरह शो से बाहर होने से बच जाती हैं। इसी वजह से सोशल मीडिया पर यह बहस चल रही है कि क्या मेकर्स उन पर मेहरबान हैं या शो में भेदभाव हो रहा है। बिग बॉस जैसे हाई-वोल्टेज रियलिटी शो में टिके रहने के लिए फटफुट पर आकर खेलने, टास्क में दमखम दिखाने और पावर के साथ स्टैंड लेने की जरूरत होती है। लेकिन माही का शो में कोई खास स्टैंड दिखाई नहीं दे रहा है। दर्शकों का मानना है कि माही विज शो में पूरी तरह फ्लॉप साबित हो रही हैं। उनका कोई खास गेम भी अब तक नजर नहीं आया है। वो शुरुआत से बैकफुट पर ही दिखाई दे रही हैं।

शो में माही का ज्यादातर वक्त दूसरों की बिचिंग करने में बीतता है। माही पर आरोप यह भी लगे हैं कि वो लोगों के पीठ पीछे उनके लिए आपत्तिजनक बातें बोलती हैं और जब बात सामने आती है या दबाव पड़ता है, तो वो अपनी ही बात से मुकर जाती हैं या फिर पलट जाती हैं। वीकेंड का वार में सलमान खान भी उन्हें इस बात के लिए टोकते हुए नजर आ चुके हैं।



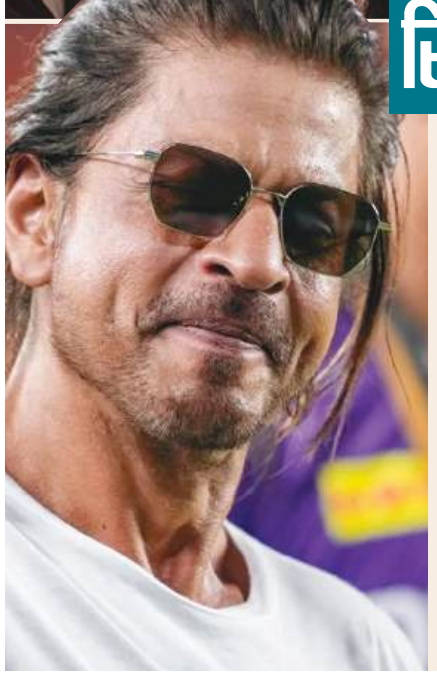
ग्लैमर से दूर बेटे के साथ सुकून के पल बिता रहीं करिश्मा तन्ना



करिश्मा तन्ना इन दिनों अपना मदरहुड फेज एंजॉय कर रही हैं। उन्होंने हाल ही में अपने बेटे वेद के साथ कुछ प्यारी तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस की जिंदगी का खूबसूरत और निजी पल देखने को मिल रहा है। 42 साल की करिश्मा ने अपने नन्हे बेटे संग इंस्टाग्राम पर तस्वीरों शेयर की हैं। एक तस्वीर में वो बेटे वेद के साथ झूले पर बैठी नजर आ रही हैं। सफेद कपड़ों में एक्ट्रेस काफी सुकून और खुशी के साथ इस पल को जीती दिखीं। दूसरी तस्वीर में करिश्मा अपने बेटे के साथ खेलती नजर आईं। मां और बेटे की इन प्यारी तस्वीरों ने फैंस का ध्यान खींचा है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट को छोटा सा कैप्शन दिया–लाइफ लेटली यानी इन दिनों उनकी जिंदगी कुछ ऐसी ही चल रही है। करिश्मा और वरुण ने 29 जुलाई 2026 को अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। खास बात ये रही कि उनके बेटे का जन्म गुरु पूर्णिमा के दिन हुआ। कपल ने अपने बेटे का नाम वेद रखा। करिश्मा तन्ना ने फरवरी 2022 में बिजनेसमैन वरुण बंगेरा से शादी की थी। दोनों ने एक निजी समारोह में सात फेरे लिए थे। शादी के करीब चार साल बाद कपल की जिंदगी में एक नन्हे मेहमान की एंट्री हुई। करिश्मा अपनी पूरी प्रेग्नेंसी जर्नी को भी फैंस संग शेयर करती नजर आईं। बेबी शावर से लेकर बच्चे की पहली झलक दिखाने से लेकर, एक्ट्रेस ने बेटे वेद की पूरी जर्नी को संजोकर रखा।

बात करें करिश्मा तन्ना के वर्क फ्रंट की, तो उन्हें नेटफ्लिक्स की सीरीज स्कूप के लिए जाना जाता है। टीवी इंडस्ट्री में भी उन्होंने काफी काम किया।

रिंकू सिंह की शादी में किंग खान पर टिकीं सबकी निगाहें



क्रिकेट के मैदान पर अपने छक्कों से धूम मचाने वाले रिंकू सिंह अब अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में हैं। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर जल्द ही समाजवादी पार्टी की युवा सांसद प्रिया सरोज के साथ नई जिंदगी की शुरुआत करने जा रहे हैं। 4 दिसंबर को लखनऊ के होटल रमाडा में दोनों सात फेरे लेंगे। लेकिन इस हाई-प्रोफाइल वेडिंग की सबसे खास बात है इसमें लगने वाला बॉलीवुड का तड़का। जी हां, रिंकू और प्रिया की शादी में बॉलीवुड के किंग खान यानी शाहरुख खान को भी न्योता भेजा गया है।

रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी में फिल्मी सितारों और क्रिकेटर्स का जमावड़ा देखने को मिल सकता है।



कोलकाता नाइट राइडर्स के सह-मालिक और बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान को खास न्योता भेजा गया है। ऐसे में फैंस की नजरें इस बात पर रहेंगी कि क्या किंग खान भी इस शाही शादी में पहुंचकर चार चांद लगाएंगे। भोजपुरी इंडस्ट्री से सिंगर समर सिंह समेत कई कलाकार भी इस जश्न का हिस्सा बनेंगे। मतलब एंटरटेनमेंट की दुनिया के कई सितारें यहां शामिल हो सकते हैं। क्रिकेट जगत से भी कई बड़े नाम इस जश्न का हिस्सा बन सकते हैं। गेस्ट लिस्ट में सुरेश रैना, भुवनेश्वर कुमार, कुलदीप यादव, तिलक वर्मा, प्रवीण कुमार, आरपी सिंह और पीयूष चावला जैसे खिलाड़ियों के नाम शामिल हैं। बताया जा रहा है कि रिंकू के साथी क्रिकेटर्स का आना 3 दिसंबर से ही शुरू हो जाएगा। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज की शादी की रस्में 3 दिसंबर से शुरू होंगी। लखनऊ के होटल रमाडा में मेहंदी, पूजा और दूसरी पारंपरिक रस्में होंगी। इस खास मौके पर देशभर से करीब 2 हजार मेहमानों के पहुंचने की उम्मीद है। शादी में प्रिया सरोज के ब्राइडल लुक पर भी खास तैयारी की गई है।

सीईसी व कांग्रेस विधायक की तस्वीर पर मची रार

» भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर कसा तंज

» अब तो दूध का दूध और पानी का पानी हो गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मुख्य चुनाव आयुक्त-सीईसी ज्ञानेश कुमार की मध्य प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अजय सिंह के साथ सामने आई तस्वीरों ने राज्य की राजनीति में नया विवाद खड़ा कर दिया है। 23 नवंबर को भोपाल में एक निजी शादी समारोह के दौरान हुई इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा किए जाने के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है।

भाजपा ने सवाल उठाया है कि एक ओर कांग्रेस नेता राहुल गांधी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की आलोचना करते हैं, वहीं दूसरी ओर पार्टी के वरिष्ठ नेता उनके साथ तस्वीरें साझा कर रहे हैं। बता दें इससे पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राहुल गांधी पर आरोप लगाया कि वे पार्टी की लगातार चुनावी हार के लिए चुनाव आयोग को दोषी ठहराकर अराजकता का माहौल बनाने की कोशिश कर रहे हैं।



पारिवारिक और सामाजिक आयोजन से विवाद

मिली जानकारी के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 23 नवंबर को एक निजी शादी समारोह में शामिल होने के लिए भोपाल पहुंचे थे। इस पारिवारिक और सामाजिक आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं। इसी समारोह में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और विधायक अजय सिंह (राहुल भैया) भी शामिल हुए थे। वहां उनकी ज्ञानेश कुमार से मुलाकात हुई और बाद में अजय सिंह ने सोशल मीडिया पर इस भेंट की तस्वीरें पोस्ट कर दीं। देखते ही देखते यह तस्वीरें राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गईं। चूंकि राहुल गांधी सार्वजनिक मंचों से मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ बयानबाजी और आलोचना करते रहे हैं, इसलिए इन तस्वीरों ने कांग्रेस के भीतर के कथित विरोधाभास को लेकर नई बहस छेड़ दी।

कांग्रेस का दोहरा रवैया आया सामने : केसवानी

अजय सिंह द्वारा तस्वीरें साझा किए जाने के बाद मध्य प्रदेश भाजपा ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। भाजपा प्रवक्ता दुर्गेश केसवानी ने इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व और प्रदेश के नेताओं के रुख में बड़ा विरोधाभास दिखाई दे रहा है। ज्ञानेश कुमार के भोपाल दौरे और इस मुलाकात का जिक्र करते हुए केसवानी ने कहा कि इस घटना ने स्थिति को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने हिंदी मुहावरे दूध का दूध और पानी का पानी का इस्तेमाल करते हुए कहा कि हकीकत सबके सामने आ गई है। भाजपा प्रवक्ता ने सीधा सवाल दागते हुए पूछा कि जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता खुद मुख्य चुनाव आयुक्त से मिल रहे हैं और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर डाल रहे हैं, तो राहुल गांधी लगातार ज्ञानेश कुमार की आलोचना क्यों करते हैं? भाजपा का कहना है कि एक तरफ शीर्ष नेतृत्व द्वारा चुनाव आयुक्त का विरोध करना और दूसरी तरफ पार्टी के वरिष्ठ विधायक द्वारा शिष्टाचार भेंट की तस्वीरें साझा करना कांग्रेस के दोहरे रवैये को दर्शाता है।



नीतीश व बीजेपी अपनी सहूलियत के हिसाब से काम कर रहे : तेजस्वी

» राजद नेता न आनंद मोहन पर दी पहली प्रतिक्रिया



4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आनंद मोहन को सुप्रीम कोर्ट से लगे झटके पर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने नीतीश कुमार और बीजेपी पर हमला किया है। कहा कि नीतीश कुमार और बीजेपी अपनी सहूलियत के हिसाब से काम करती है। उन्होंने कहा, आनंद मोहन की जब जरूरत थी तो उन्हें जेल से रिहा किया गया, अब जरूरत नहीं है तो उन्हें जेल भेजा जा रहा है। अनंत सिंह के घर बिहार पुलिस को एके -47 मिला, और जब अनंत सिंह की जरूरत थी तो कहा गया कि कोई हथियार नहीं मिला। अब अनंत सिंह ने विरोध किया तो वह भी जेल जाने वाले हैं।

तेजस्वी ने आगे कहा, नीतीश जी का नारा था ना हम किसी को बचाते हैं और ना फसाते हैं। यह लोग फंसाते भी हैं अपनी सहूलियत के लिए बचाते भी हैं। यही असलियत है।तेजस्वी ने कहा कि फ्लोर टेस्ट में जिन लोगों ने गद्दारी की थी चाहे अनंत सिंह हों या आनंद मोहन हों, इन लोगों को सोचना चाहिए था कि ऊपर वाला भी है। नीचे जनता भी है। जो तेजस्वी ने कहा था वह सच साबित हुआ। नीचे जनता तो सब देख रही है कम से कम ऊपर वाले से लोगों को डरना चाहिए। वहीं आरजेडी प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि यह न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन इसमें कहीं न कहीं राजनीतिक पहलू भी है। आनंद मोहन जब तक सरकार के साथ थे उन्हें कुछ नहीं हुआ। सरकार के खिलाफ गए तेजस्वी यादव तो ये मामला सामने आ गया।

आईसीसी रैंकिंग : पंत, गिल और यशस्वी टॉप-10 में

» बुमराह ने भी लगाई लंबी छलांग, दूसरे स्थान पर पहुंचे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। आईसीसी ने पुरुष क्रिकेट की ताजा खिलाड़ी रैंकिंग जारी कर दी है। इसमें भारतीय खिलाड़ियों को टेस्ट क्रिकेट में बड़ा फायदा हुआ है। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह तीन स्थान की छलांग लगाकर टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं, बल्लेबाजों की सूची में ऋषभ पंत, शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल ने भी अपनी स्थिति सुधारी है। ये तीनों अब टेस्ट बल्लेबाजों की शीर्ष-10 रैंकिंग में शामिल हैं। दूसरी ओर, दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट पहले दो स्थानों पर बने हुए हैं।

जसप्रीत बुमराह तीन स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के ओली रॉबिन्सन भी उनके साथ इस स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर बने हुए हैं। बुमराह उनसे 25 रेटिंग अंक पीछे हैं। दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा को भी फायदा हुआ है। वह दो स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। पाकिस्तान के मोहम्मद अब्बास दो स्थान की छलांग लगाकर 12वें नंबर पर हैं। टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में पंत एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। शुभमन गिल ने तीन स्थान की छलांग लगाई और अब सातवें पायदान पर हैं। यशस्वी जायसवाल पांच स्थान ऊपर चढ़कर नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। इंग्लैंड के हैरी ब्रूक और जो रूट क्रमश: पहले और दूसरे स्थान पर कायम हैं। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।



वैभव को आईपीएल में मिल सकते हैं 40 करोड़!

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी इन दिनों अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी को लेकर चर्चा में हैं। यूएई के खिलाफ ऐतिहासिक दोहरा शतक जड़ने के बाद उनकी जमकर तारीफ हो रही है। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने वैभव सूर्यवंशी को लेकर बड़ी भविष्यवाणी की है। उनका मानना है कि आने वाले समय में वैभव आईपीएल में 40 करोड़ रुपये तक की कीमत हासिल कर सकते हैं। इतना ही नहीं, वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन सकते हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा कि अगर भविष्य में यह युवा बल्लेबाज आईपीएल की नीलामी में उतरता है या रिटेंशन को लेकर चर्चा होती है, तो वह सबसे महंगे खिलाड़ी बन सकते हैं। वैभव अपनी बल्लेबाजी से मैच को एकतरफा बनाने की ताकत रखते हैं। इसी वजह से वह भविष्य में 40 करोड़ रुपये वाले खिलाड़ी बन सकते हैं। हालांकि, चोपड़ा ने यह भी स्पष्ट किया कि इसका मतलब यह नहीं है कि वैभव ने खुद इतनी रकम की मांग की है।

सुवेंदु की बातें बेबुनियाद : अभिजीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। कांग्रेस के पूर्व सांसद अभिजीत मुखर्जी ने आज पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने उन्हें बीजेपी में शामिल होने की सलाह दी थी। दिवंगत राष्ट्रपति के बेटे अभिजीत मुखर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में इस दावे को बेबुनियाद बताया। दो बार सांसद रहे अभिजीत मुखर्जी ने कहा कि सुवेंदु अधिकारी का यह दावा कि प्रणब बाबू ने उन्हें बीजेपी में शामिल होने की सलाह दी थी, पूरी तरह बेबुनियाद है। वे इतने जूनियर थे कि उन्हें ऐसी सलाह मिलने का सवाल ही नहीं उठता।

यह खंडन तब आया है, जब सुवेंदु अधिकारी ने द इकोनॉमिक टाइम्स बंगाल असेंड्स कार्यक्रम के दौरान एक चर्चा में कहा था कि दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति भवन में उन्हें तृणमूल कांग्रेस छोड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ जुड़ने की सलाह दी थी। मुख्यमंत्री ने ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल को कॉरपोरेट पदानुक्रम करार दिया। उन्होंने कहा कि यह एक व्यक्ति या एक महिला की पार्टी है, जो एक तरह से बुआ-भतीजे की पार्टी है और इसे एक चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर चलाते हैं। अधिकारी ने बताया कि प्रणब मुखर्जी ने उनसे कहा था, अगर तुम कर्मचारी ही बने रहना चाहते हो, तो वहीं रहो। बाकी सब तो बस लैम्पपोस्ट हैं। इस सवाल पर कि क्या यह बातचीत प्रणब मुखर्जी के 2012-2017 के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान हुई थी, अधिकारी ने विस्तार से बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि इस पर विवाद हो सकता है, इसलिए मैं इस बारे में ज़्यादा कुछ नहीं बोलूंगा। अधिकारी ने कार्यक्रम में कहा कि मेरे असली सलाहकार स्वर्गीय प्रणब मुखर्जी हैं। उनके राष्ट्रपति बनने के बाद, मैं रायसीना हिल्स गया था, जहां अभिषेक बनर्जी भी गए थे। प्रणब जी ने मुझसे कहा - मैं बहुत ज़्यादा कुछ नहीं कहूँगा - उन्होंने मुझसे कहा, सोच लो कि तुम क्या करना चाहते हो।



» प्रणब मुखर्जी के बेटे बोले- सलाह मिलने का सवाल ही नहीं

प्रदेश की महिलाएं बड़ी संख्या में आप के साथ : केजरीवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में आप की रैली से पहले आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, पंजाब में महारैली है और लोगों में भारी उत्साह है। इसमें हजारों लोगों के जुटने की उम्मीद है। पिछले पांच वर्षों में भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार ने जो काम किए हैं, उन्हें लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह है। पंजाब की महिलाएं बड़ी संख्या में लगभग 100 प्रतिशत आप का समर्थन कर रही हैं।

आप ने पंजाब में नशीले पदार्थों के खिलाफ एक व्यापक जंग छेड़ रखी है, जिसके काफी अच्छे नतीजे सामने आए हैं। कई गांव पूरी तरह से नशा-मुक्त हो गए हैं। पंजाब में नशे की समस्या को अन्य पार्टियों खासकर शिरोमणि अकाली दल (शिअद) और भाजपा के कार्यकाल के दौरान फैलने दिया गया, जो 2007 से 2017 के बीच सत्ता में थीं। वे ही इसके लिए जिम्मेदार हैं।

गन्ने का भाव बढ़ाने की मांग पर किसानों को हिरासत में लेना निंदनीय : अभय

» इनेलो प्रमुख ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। इनेलो प्रमुख अभय सिंह चौटाला ने कहा कि गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग कर रहे किसानों से धक्का-मुक्की करना व उन्हें हिरासत में लेना निंदनीय है। उन्होंने कहा कि किसानों की मांगों पर बातचीत करने के बजाय सरकार पुलिस बल से उनकी आवाज दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि इनेलो किसानों के आंदोलन में उनके साथ खड़ी रहेगी।चंडीगढ़ में जारी बयान में अभय चौटाला ने कहा कि खाद, बीज, डीजल, बिजली, मजदूरी और सिंचाई की लागत लगातार बढ़ रही है।

ऐसे में किसान अपनी उपज का उचित मूल्य मांग रहे हैं। सरकार को उनकी समस्याएं सुनकर बातचीत से समाधान निकालना चाहिए न कि उनपर पुलिस बल का प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव के समय किसानों से बड़े-बड़े वादे करती है लेकिन सत्ता में आने के बाद उनकी समस्याओं की अनदेखी करती है। चौटाला ने हिरासत में लिए गए किसानों को तत्काल रिहा करने और गन्ने का भाव 600 रुपये प्रति क्विंटल करने की मांग की।



संविधान रक्षायात्रा को अनुमति न मिलने पर भड़की कांग्रेस

पार्टी बोली- कार्यक्रम जारी रखेंगे और कार्यकर्ता देंगे गिरफ्तारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रशासन द्वारा लखनऊ में संविधान रक्षा यात्रा निकालने की अनुमति न दिए जाने के बावजूद कांग्रेस ने कार्यक्रम जारी रखने का ऐलान किया है। पार्टी नेताओं ने स्पष्ट किया कि यदि पुलिस बल प्रयोग कर उन्हें रोकेगी तो कार्यकर्ता शांतिपूर्वक गिरफ्तारी देंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस मौके पर लखनऊ पहुंच रहे हैं। कांग्रेस ने योगी आदित्यनाथ नीत उत्तर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि उसने पार्टी की लखनऊ में प्रस्तावित 'संविधान रक्षा यात्रा' निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

हालांकि, कांग्रेस ने प्रस्तावित यात्रा को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। कांग्रेस ने कहा कि यदि पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसके नेता और कार्यकर्ता गिरफ्तारी देंगे। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने 'कहा, हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे संविधान दिवस (26 नवंबर) के अवसर पर आयोजित 'संविधान रक्षा' कार्यक्रम में शामिल होने के लिए लखनऊ आ रहे हैं। यहां पहुंचने के बाद वह बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि देने के लिए आंबेडकर महासभा परिसर जाएंगे। इसके बाद वह कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पार्टी कार्यालय पहुंचेंगे। गौतम ने दावा किया, हम प्रशासन की ओर से रखी गई सभी शर्तों का पालन करने के लिए तैयार थे, इसके बावजूद हमें अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने बताया कि पार्टी कार्यालय में 'संविधान रक्षा' कार्यक्रम के बाद खरगे दिल्ली रवाना हो जाएंगे। पहले उन्हें प्रस्तावित यात्रा का नेतृत्व करना था, लेकिन अब पार्टी के अन्य नेता इस यात्रा को आगे बढ़ाएंगे। यात्रा का समापन हजरतगंज स्थित आंबेडकर चौराहे पर डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ होगा। गौतम ने कहा, खरगे देश के सबसे सम्मानित सांसदों में से एक हैं।



अनुमति नहीं देना सरकार की मानसिकता को दर्शाता है: गौतम

कांग्रेस प्रभारी ने कहा जिस यात्रा का नेतृत्व उन्हें करना था, उसके लिए अनुमति नहीं देना सरकार की मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि हाल में लखनऊ में भाजपा नेता नितिन नवीन को कार्यक्रम के आयोजन की अनुमति कैसे मिल गई। अनुमति के मुद्दे पर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। कांग्रेस की 'संविधान रक्षा यात्रा' पार्टी की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत वह मतदाता सूची में कथित हेरफेर के खिलाफ अपना विरोध तेज करना चाहती है। कांग्रेस, भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों में अग्रणी रही है। पार्टी का आरोप है कि 'वोट चोरी' और मतदाता सूची में हेरफेर की गई है। इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग की है।

आंबेडकर महासभा परिसर भी जाएंगे खरगे

वहीं, आंबेडकर महासभा के अध्यक्ष लालजी प्रसाद निर्मल ने से कहा कि कांग्रेस नेताओं ने उन्हें जानकारी दी है कि खरगे सीधे हवाई अड्डे से आंबेडकर महासभा परिसर पहुंचेंगे। इस परिसर में डॉ. भीमराव आंबेडकर की अस्थियां रखी हुई हैं। निर्मल ने कहा कि लंबे समय बाद संविधान दिवस के अवसर पर इस परिसर में आने वाले खरगे पहले बड़े कांग्रेस नेता होंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी इस परिसर का दौरा कर चुके हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 2017 में पदभार संभालने के बाद से यहां 22 बार आ चुके हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी परिसर का दौरा किया है, जबकि बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती अब तक यहां नहीं आई हैं।

यात्राएं बाबा साहेब आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के पास शुरू या समाप्त होंगी

पार्टी के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में निकाली जाने वाली ये यात्राएं बाबा साहेब आंबेडकर या महात्मा गांधी की प्रतिमाओं के पास शुरू या समाप्त होंगी। इन यात्राओं के दौरान पार्टी के नेता और कार्यकर्ता संविधान की प्रस्तावना का पाठ करेंगे तथा उसकी रक्षा करने की शपथ लेंगे। कांग्रेस 'वोट रक्षक' अभियान भी चलाएगी जिसके तहत पार्टी कार्यकर्ता मतदान केंद्रों पर जाकर ऐसे मतदाताओं की पहचान करेंगे, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।साथ ही, उन्हें मतदान का अधिकार वापस पाने में सहायता करेंगे।

पार्टी कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी करेंगे भव्य स्वागत : पीएल पुनिया



इस बीच, कांग्रेस ने कहा कि कार्यक्रमों में बाधा डालने की कोशिशों के बावजूद पार्टी कार्यकर्ता खरगे के लखनऊ पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत करेंगे। कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य पी.एल. पूनिया ने ' कहा, लखनऊ में स्वागत द्वार और बड़े-बड़े होर्डिंग लगाए गए हैं। पार्टी कार्यकर्ता, बूथ अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारी उनके भव्य स्वागत के लिए वहां मौजूद रहेंगे।

ओवैसी-चंद्रशेखर की रैली में उमड़ी भीड़

» लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान पर पोस्टर लेकर पहुंचे समर्थक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी ने दलित-मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करने की तैयारी तेज की है। लखनऊ के रमाबाई अंबेडकर मैदान में उनकी पहली बड़ी रैली है।

रमाबाई अंबेडकर रैली स्थल पर आजाद समाज पार्टी और एआईएमआईएम की ओर से आयोजित बहुजन स्वराज संकल्प महारैली में बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता। दोनों नेताओं की इस संयुक्त रैली को लेकर समर्थकों में उत्साह है। रैली का आयोजन सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के बैनर तले किया जा रहा है। दोपहर में ओवैसी और चंद्रशेखर रैली को संबोधित करेंगे। दोनों दलों ने 2027 का विधानसभा चुनाव सभी 403 सीटों पर लड़ने का ऐलान किया है। चंद्रशेखर आजाद को गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया गया है। इस गठबंधन की नजर प्रदेश के लगभग 21 फीसदी दलित और 19 फीसदी मुस्लिम मतदाताओं पर है, जिनकी संयुक्त आबादी प्रदेश की कुल आबादी का करीब 40 फीसदी है। ऐसे में, यह गठबंधन समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के लिए भी एक चुनौती पेश कर सकता है, खासकर उन सीटों पर जहां दलित और मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक भूमिका निभाती है। इस गठबंधन की चुनौती केवल सपा-कांग्रेस के सामने एक नया विकल्प प्रस्तुत करना नहीं है, बल्कि दलित और मुस्लिम मतदाताओं को एक साझा राजनीतिक एजेंडे पर एकजुट करना भी है। चंद्रशेखर का दलित राजनीति में आधार और ओवैसी की मुस्लिम राजनीति में सक्रियता इस प्रयास का प्रमुख स्तंभ है। लखनऊ की इस रैली में सामाजिक न्याय, संविधान, आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए जा सकते हैं। इसके साथ ही, यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि यह नया मोर्चा विपक्षी एकजुटता की राजनीति को आगे बढ़ाता है या फिर एक अलग राजनीतिक ध्रुव तैयार करने की दिशा में बढ़ता है।







महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा